Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to enhance the sugarcane price -laid.

श्री मलूक नागर (बिजनौर): देश का किसान बहुत परेशान है । गन्ने का रेट गत तीन सालों से बढ़ा नहीं है । 325 रूपये प्रति क्विंटल (भाड़ा सहित) ही है । गन्ना मूल्य बढ़ोतरी का फैसला होने से पहले 20 नवम्बर, 2019 को मैंने संसद के पिछले सत्र में मुद्दा उठाया था, जिसमें मैंने बताया था कि तीन साल की बढ़ी महंगाई के हिसाब से 90 रूपये बढ़ते तो रेट बराबर होता । अतः रेट न बढाने का मतलब 90 रूपये रेट घटा दिये । जब गन्ने का रेट न बढ़ाने का फैसला हो गया तो दुबारा मैंने संसद में 11 दिसम्बर, 2019 को रेट बढ़वाने के लिए मुद्दा उठाया । मैंने 6 जनवरी, 2020 को वित्त एवम कोरपेरिट मंत्रालय की सलाहकार समिति एवम 9 व 10 जनवरी, 2020 को कार्मिक, लोक शिकायत व विधि एवम न्याय संबंधी संसदीय स्थायी समिति की बैठको में भी गन्ने का रेट बढ़ाने व कृषि के द्वारा देश की इकॉनमी को बचाने से संबन्धित मुद्धे उठाए थे ।

सरकार सब्सिडी तुरंत जारी करे ताकि गन्ना मिले किसानो को आगे पेमेंट दे सके ताकि किसान अपने ट्रैक्टर व अन्य तरह के ऋण की किस्ते दे सके तथा अपने बच्चो के स्कूलो के फीस आदि दे सके और आगामी फसल के लिए खाद -बीज आदि खरीद सके ।

मैं मांग करता हूँ कि भारत सरकार व प्रदेश सरकारे तुरंत गन्ने का रेट बढ़वाये व बकाया राशि भी तुरंत दिलवाए ।